एम. कॉम
प्रथम वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
(एम. कॉम)

एम. कॉम. (F&T)
एम. कॉम. (BP & CG)
एम. कॉम. (MA & FS)
के लिए भी

प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
2015–16

आई. बी. ओ. – 01: अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 प्रवेश सत्र के लिए

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2015** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** है।

2. जो **जनवरी 2016** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं ता आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ. – 01
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ. -01/टी.एम.ए./2015 –16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (a) भुगतान शेष को प्रभावित करने वाले कारकों की उदाहरण के साथ विवेचना कीजिए।

   (b) भुगतान शेष के असाम्य को संशोधित करने की विधियों की व्याख्या कीजिए।

   (10+10)

2. प्रोधोगिकी हस्तांतरण का क्या औचित्य है? TNCs तथा लघु व मध्यम उद्यमों द्वारा प्रौधोगिकी हस्तांतरण के गैर समता रुपों की विवेचना कीजिए।

   (5+15)

3. क्षेत्रीय आर्थिक समूहीकरण के विभिन्न प्रकार कौन से हैं? क्षेत्रीय आर्थिक समूहीकरण के प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

   (5+15)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

   (a) वैश्विक परिवेश राष्ट्रीय सीमाओं का अतिक्रमण नहीं करता है।
   (b) जब माल को एक ऐसे विक्रेता से वर्णन द्वारा खरीदा जाता है तो माल का व्यापार योग्य गुणवत्ता का होना एक निहित शर्त नहीं होता है।
   (c) विकासशील राष्ट्रों की निर्यात उपार्जन की अस्थिरता मांग और पूर्ति के कारकों से नहीं होती है।
   (d) भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवाओं का मुख्य स्थान नहीं हैं।

   (4×5)

5. निम्नलिखित पर नोट लिखिये:

   (a) अंतर्राष्ट्रीय विधिक परिवेश
   (b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मतभेदों के क्षेत्र
   (c) बेसल कन्वेंशन
   (d) माल के विक्रय में Lex Causae की लागूता

   (4×5)